परंपरागत अर्थशास्त्र (Traditional Economics) क्या है?
परंपरागत अर्थशास्त्र वह आर्थिक प्रणाली है जिसमें उत्पादन, वितरण और उपभोग की प्रक्रिया रीति-रिवाजों, परंपराओं और सामाजिक मान्यताओं के आधार पर चलती है। इसमें आधुनिक तकनीक और बाजार तंत्र की भूमिका कम होती है।
मुख्य विशेषताएँ:
परंपराओं पर आधारित – आर्थिक गतिविधियाँ पुरानी प्रथाओं के अनुसार होती हैं।
कृषि प्रधान – अधिकतर लोग खेती, पशुपालन या हस्तशिल्प से जुड़े होते हैं।
सीमित उत्पादन – उत्पादन मुख्यतः अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाता है।
कम तकनीक का उपयोग – आधुनिक मशीनों और तकनीक का प्रयोग बहुत कम होता है।
विनिमय प्रणाली – कई जगह वस्तु-विनिमय (बार्टर सिस्टम) का उपयोग होता है।
उदाहरण:
गांवों या आदिवासी क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था, जहाँ लोग अपनी आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादन करते हैं और परंपराओं का पालन करते हैं।